और अन्य संचार साधनों से इकट्ठे कर लिये गये हैं। कुछ राज्य सरकारों के विचार अभी आने बाकी हैं। ये बोर्ड की उस आगामी बैठक में विचार करने के लिये रख दिये जायेंगे, जो कि १९६२ में किसी समय होने वाली है। इस सम्बन्ध में सरकार का निर्णय बोर्ड की सिफारिशों के प्राप्त होने के बाद किया जायेगा।

वन संसाधन

८२२. **श्री भक्त दर्शन** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री २४ अगस्त, १९६१ के अतारांकित प्रश्न संख्या २२१३ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि देश भर में वन साधनों का सर्वेक्षण करने के लिये जो १.२७ करोड़ रुपये की योजना स्वीकृत की गई है, क्या उसके विस्तार की बातों पर प्रकाश डालने वाला एक विवरण सभा-पटल पर रखा जायेगा ?

कृषि मंत्री (डा० पं० शा० देशमुख) : यू० एन० स्पेशल फण्ड से सहायता के लिये भेजी गयी परियोजना की एक प्रति संसद् के पुस्तकालय में रखी जा रही है। वित्तीय ब्यौरे को विशेष कर रुपये सम्बन्धी व्यय जो कि भारत सरकार और राज्य सरकारें करेंगी, अभी तक अन्तिम रूप नहीं दिया गया है।

दिल्ली-लंदन बस सेवा

८२३. **श्री भक्त दर्शन :**
श्री दी० चं० शर्मा :

क्या **परिवहन तथा संचार** मंत्री २९ अगस्त, १९६१ के तारांकित प्रश्न संख्या १०२१ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली व लन्दन के मध्य सीधी बस सर्विस चलाने के जिस प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा था उसके बारे में क्या निश्चय किया गया है;

(ख) कब तक उस के चालू हो जाने की आशा है; और

(ग) इस में इतनी देरी होने के क्या कारण हैं ?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) से (ग). भारत सरकार को भारत से लन्दन और दूसरे देशों तक नियमित व्यापारिक बस सर्विस चलाने के बारे में कुछ संगठनों से आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे। परन्तु इन आवेदनों पर कोई भी कार्यवाही करना तब तक सम्भव नहीं है जब तक रास्तों में पड़ने वाले देशों के साथ सरकार द्वारा पारस्परिक समझौते नहीं कर लिये जाते हैं। इन समझौतों के लिये नियमादि तय किये जा रहे हैं।

लन्दन तक जाने वाली कोई भी सर्विस पाकिस्तान से हो कर ही जायगी। पाकिस्तान के साथ अमृतसर और लाहौर के बीच यातायात के लिये समझौते की दिशा में अब तक किये गये प्रयत्न ही सफल नहीं रहे हैं। इससे दिल्ली और लन्दन के बीच सर्विस शुरू करने में निहित कठिनाइयां जाहिर हो जाती हैं। इसलिये यह कहना सम्भव नहीं है कि कब तक यह सर्विस शुरू की जा सकेगी।

Joint Steamer Companies

824. **Shri Indrajit Gupta:** Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to refer to the replies given to Starred Questions Nos. 99 and 104 on the 8th August, 1961 and state:

(a) whether any supervision is exercised by Government over expenditure of the amounts received by the Joint Steamer Companies as grants from Central and State Governments, and as loans from the Centre;

(b) reasons for the losses incurred by the Companies in 1956, 1957, 1959 and 1960;

(c) whether the increase in freight rates by 5% is expected to make the companies' working profitable; and